

श्रमिक कल्याण कार्य पुं. (तत्.) श्रमिकों या मेहनतकश मजदूरों के कल्याण के लिए किये जाने वाले स्वास्थ्य सुरक्षा, आवासीय सुविधा बच्चों की शिक्षा आदि से संबंधित विविध प्रकार के हितकारी कार्य।

श्रमिक दिन पुं. (तत्.) 1. एक कार्यदिवस में किसी एक व्यक्ति द्वारा किए जा सकने वाले या अपेक्षित कार्य की मात्रा जैसे-कच्चे माल की आपूर्ति न हो पाने के कारण 150 श्रमिक दिनों की हानि हो गई 2. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रति वर्ष मनाया जाने वाला श्रमिक दिवस 1 मई।

श्रमिक लोकतंत्र पुं. (तत्.) अर्थ. आर्थिक व्यवस्था का वह प्रकार जिसमें प्रबंध-व्यवस्था में श्रमिकों की भी भागीदारी हो।

श्रमिक वर्ग पुं. (तत्.) ऐसे लोगों का समूह या समुदाय जो मेहनत-मजदूरी से जीवन यापन करता हो।

श्रमिक संघ पुं. (तत्.) किसी उद्योग या उद्योग समूह में कार्य करने वाले श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए बनाया गया संगठन, श्रम संघ, मजदूर संघ। labour union, trade union

श्रमित वि. (तत्.) थका हुआ, श्रान्त, क्लान्त।

श्रमी वि. (तत्.) श्रम करने वाला, परिश्रमी, मेहनती।

श्रवण पुं. (तत्.) 1. सुनने की क्रिया या भाव, सुनना 2. सुनने की क्रिया से उत्पन्न ज्ञान या अनुभूति 3. सुनने का कार्य करने वाली इंद्रिय, कान, कर्ण 4. खगो. पृथ्वी के भ्रमण मार्ग में स्थित 27 नक्षत्रों में से बाईसवाँ नक्षत्र, यह तीन तारों का एक समूह है।

श्रवण-कातरता स्त्री. (तत्.) सुनने की प्रबल इच्छा, सुनने की अधीरता।

श्रवणगोचर वि. (तत्.) सुनने योग्य, श्रवण की सीमा में आने वाला, श्रुतिगोचर।

श्रवण तीक्ष्णता स्त्री. (तत्.) सुनने की क्षमता की तीव्रता, सूक्ष्मातिसूक्ष्म ध्वनि को सुन सकने की योग्यता।

श्रवण द्वादशी स्त्री. (तत्.) श्रवण नक्षत्र से युक्त द्वादशी तिथि; भाद्रपद शुक्ल द्वादशी, इसे 'वामन-द्वादशी' भी कहते हैं क्योंकि इसी दिन भगवान विष्णु ने 'वामन-अवतार' लिया था, ऐसी पुराणों की मान्यता है।

श्रवण-पथ पुं. (तत्.) 1. सुनने का मार्ग या साधन 2. कान भौ. जिस माध्यम से ध्वनि तरंगें चलती हैं- वायु, द्रव आदि।

श्रवणपालि स्त्री. (तत्.) मनुष्य के कान के बाहरी भाग में नीचे की ओर लटकता हुआ मांसल भाग। पाली, कान की ललरी।

श्रवणपाली स्त्री. (तत्.) दे. श्रवणपालि।

श्रवणपूर पुं. (तत्.) कान में पहना जाने वाला एक आभूषण, कर्णफूल, ताटक, कान का बाला, बूँदा, झुमका।

श्रवणमिति स्त्री. (तत्.) सुन सकने की क्षमता को मापने की वैज्ञानिक प्रक्रिया, श्रव्यतामिति।
audiometry

श्रवणलेख पुं. (तत्.) श्रव्यतामापी यंत्र द्वारा बनाया गया रेखाचित्र।

श्रवणविभ्रान्ति स्त्री. (तत्.) मनो. मनोरोगी को अस्पष्ट सी ध्वनियाँ सुनाई पड़ना, कुछ का कुछ सुनाई देना, कोई भी ध्वनि सुनकर अपनी मनःस्थिति के अनुसार ध्वनि का आभास।

श्रवणविवर पुं. (तत्.) कान का छिद्र, कान का मध्य एवं आंतरिक भाग।

श्रवणविषय पुं. (तत्.) श्रवणेंद्रिय की सीमा का विषय जैसे- शब्द या ध्वनि उदा. रूप, गंध, रस आदि श्रवणविषय नहीं हो सकते।

श्रवणवैकल्य पुं. (तत्.) मनो. एक प्रकार का मनोरोग, शोरगुल सुनकर होने वाली विकलता या बेचैनी।

श्रवणसुभग वि. (तत्.) सुनने से सुख देने वाला या चित्त को प्रसन्न करने वाला।

श्रवणादि पुं. (तत्.) श्रवण से प्रारंभ होने वाली भक्ति के नौ प्रकार- श्रवण, कीर्तन, स्मरण, पाद